

4. **व्यक्तिवाचक संज्ञा के नीचे रेखा खींचो। 1**

विधाता ने कभी राम और कभी कृष्ण बनकर इस
भारतभूमि पर जन्म लिया।

5. **योजक शब्द छाँटकर लिखिए। 1**

पहले पुत्र ने बताया - "पिता जी! वह तो बिलकुल
सूखा और टेढ़ा-मेढ़ा था। उस पर कोई फल-फूल न
था।"

6. **उचित क्रिया रूपों से वाक्य पूरा कीजिए। 2**

क. बालक फल -----। (खाना)

ख. लड़कियाँ -----। (नाचना)

SPELLING

7. **उचित अक्षर से पूरा कीजिए। 2**

क. व्य-हार ख. भि-ता

ग. कू-नीति घ. आ-मान

8. **वर्तनी शुद्ध करके लिखिए। 2**

क. अंदराल ख. निवासीयों

ग. किषक घ. समचती

9. **क्रम से लिखकर सार्थक शब्द बनाइए। 2**

क. भ/व/अ/नु ख. वि/ध/ता/वि

ग. मु/ज्वा/खी/ला घ. दा/फा/य

10. **सही शब्द चुनकर लिखिए। 4**

क. अजित / अर्जित / अर्जीत

ख. आग्रसर / उग्रसर / अग्रसर

ग. बैरिस्टर / बारिस्टर / बेरिस्टर

घ. आकिर / आगिर / आखिर

VOCABULARY

11. अंग्रेजी अर्थ लिखिए। 2
क. तलाश ख. संबोधित
ग. सम्मानित घ. पसार
12. समानार्थी शब्द लिखिए। 2
क. स्वतंत्र ख. विधाता
ग. गगन घ. आकार
13. निम्नलिखित शब्दों से वाक्य बनाइए। 2
क. प्रेरित ख. निर्भर
14. रेखांकित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए। 1
क. सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्म सन् 1875 को हुआ था। उनकी ----- सन् 1950 को मुंबई में हुई थी।
ख. अनेकता में ----- हमारे देश की विशेषता है।
15. निम्नलिखित शब्द के दो भिन्न-भिन्न अर्थ लिखिए। 1
पूर्व
16. गिनती लिखिए। 2
क. 59 ख. 62 ग. 70 घ. 74

LITERATURE

17. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए। (चार पंक्तियाँ) 2
सबसे पहले ----- संसार।
18. कोष्ठक से सही उत्तर चुनकर लिखिए। 1

- क. शाखाएँ कैसी थी?
(तिनकों से भरपूर, हरी-भरी सुकुमार)
- ख. भरत किसके पुत्र थे?
(हरिचंद्र और तारामती, शकुंतला और दुष्यंत)

19. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। 2

- क. तीनों सही हैं, ऐसा सुनकर पुत्र बहुत ----- हो गए।
- ख. भारत की पवित्र भूमि पर ----- भी जन्म लेना चाहते हैं।

20. उत्तर लिखिए। 5

- क. चिड़िया को कब समझ में आया कि संसार बहुत बड़ा है?
- ख. सरदार वल्लभभाई पटेल को किस उपाधि से सम्मानित किया गया?
- ग. देश के प्रति हमारा क्या कर्तव्य है?
- घ. 'पिता की सीख' कहानी से हमें क्या शिक्षा मिलती है?
- ङ. 'खेड़ा संघर्ष' क्या है?

HANDWRITING

- 21.** मनुष्य जीवन का सबसे बड़ा गुण परोपकार है। परोपकार का एक अनिवार्य अंग है दान। भूखे को भोजन, प्यासे को जल देना आदि परोपकार है। प्रकृति से भी हमें परोपकार मिलते हैं। पेड़ हमें फल देते हैं, सूर्य की किरणें हमें जीवन प्रदान करती हैं। ये सब परोपकार ही हैं। परोपकार से मानव जीवन अच्छा बन जाता है।

5